26-27/5/2022

(8)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (एम.पी.)

तथा

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (यू.पी.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान

(अवसर,चुनौतियां एवं निवारण)

दिनाँक: 26-27 मई 2022

समय: अपरान्ह 06:00 बजे

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर(म.प्र)

एवं

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

द्वारा

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: अवसर,चुनौतियां एवं संभावनाएं

विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक :26-27 मई 2022

पंजीयन लिंक-

https://forms.gle/dvguJ95KBAYuup9VA

मीटिंग लिंक-https://niit.zoom.us/j/6972828739?pwd=M3lTK0F4ajRhTGNuRXFtL3BMS3BUZz09

मीटिंग आई डी - 697 282 8739

पासकोड- 409237

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर(म.प्र)

एवं

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र)

के

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

द्वारा

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं

विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक : 26-27 मई 2022

पंजीयन लिंक- https://forms.gle/dvguj95KBAYuup9VA

मीटिंग लिंक- https://[illegible]zoom.us/j/6972828739?pwd=M3lTK0F4[illegible]RhTGNuRXFtL3BMS3BUZz09

मीटिंग आई डी - 697 282 8739

पासकोड- 409237

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान

(अवसर,चुनौतियां एवं निवारण)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर(एम.पी.)

तथा

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर(यू.पी.)

के संयुक्त तत्वाधान में

दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

स्थान-ज़ूम मीटिंग
Meeting ID: 697 282 8739
Passcode: 409237

दिनाँक-26-27 मई 2022
समय- संध्या वेला 06:00 बजे

पंजीकरण लिंक
https://forms.gle/dvguJ95KBAYuup9VA

व्हाट्सएप प्रतिभागी ग्रुप(वेबिनार सामाजिक अनुसंधान)
https://chat.whatsapp.com/FHeo8ebK111JBI79UyRilt

टेलीग्राम प्रतिभागी लिंक(वेबिनार सामाजिक अनुसंधान)
https://t.me/+h9dVr7OuEwoyZjNl

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
(M.P.)

प्रथम दिवस का पैनल (दिनांक- 26 मई 2022)

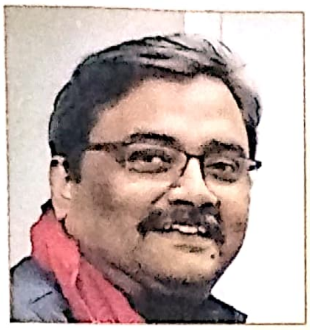

प्रो. हितेंद्र पटेल

डॉ. अर्चना सिंह

डॉ. रमा शंकर सिंह

प्रो.हितेंद्र पटेल	प्रोफेसर इतिहास एवं विभागाध्यक्ष विश्वभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता	हिंदी में समाज विज्ञान लेखन : समस्याएं और समाधान
डॉ. अर्चना सिंह	एसोशिएट प्रोफेसर जी.बी. पंत सोशल साइन्स इंस्टीट्यूट, प्रयागराज	ज्ञान की राजनीति बनाम हिंदी समाज विज्ञान लेखन
डॉ. रमा शंकर सिंह	एकेडेमिक फ़ेलो, सेंटर फॉर रिसर्च एंड आर्काइविंग इन इंडिया एंड इंडीजेनस नॉलेज एंड लैंगुएज सिस्टम डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली	हिंदी में समाज विज्ञान क्यों?

द्वितीय दिवस का पैनल (दिनांक- 27 मई 2022)

डॉ. शुभनीत कौशिक

डॉ. अजय कुमार

डॉ. शुभनीत कौशिक	असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास विभाग सतीश चंद्र कॉलेज (बलिया)	उत्तर भारत के पुस्तकालय और अभिलेखागार
डॉ. अजय कुमार	असिस्टेंट प्रोफ़ेसर समाजशात्र अम्बेडकर स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ	हिंदी में समाज विज्ञान लेखन, प्रकाशन एवं ज्ञान की निर्मिति

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

इस वेबिनार का आयोजन देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी (उप्र) और शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनुपपुर (मप्र) के मध्य हुए MoU के अंतर्गत 'अनुसंधान एवं विस्तार कार्यक्रम' में हो रहा है

अवधारणात्मक टिप्पणी

अनुसंधान का उद्देश्य संबन्धित विषय के क्षेत्र का विस्तार करना है। विषय के विस्तार के साथ ही अनुसंधान द्वारा उन वर्गों की बेहतरी का रास्ता भी खुलता है, जिन पर शोध किया जाता है। इसलिए शोध की भाषा भी वही होनी चाहिए, जो इसके उत्तरदाताओं द्वारा बोली जाती है।

भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसन्धानों एक बड़ा हिस्सा अंग्रेजी में उपलब्ध है। इसका कारण यह है कि औपनिवेशिक काल से ही ज्ञान विज्ञान की भाषा अंग्रेजी ही रही है। स्वतन्त्रता के बाद भी सामाजिक विज्ञानों के क्षेत्र में हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में मौलिक शोध की कमी रही है। पूर्व में किए गए शोधों तथा संबन्धित साहित्य के सर्वेक्षण के लिए अंग्रेजी भाषा की सामाग्री पर निर्भर रहना इसका प्रमुख कारण है। हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में मौलिक चिंतन कम होने तथा मानक ग्रन्थों का अप्रामाणिक तथा दुरूह अनुवाद एक दूसरे तरह की समस्या भी पैदा करता है।

वैश्वीकरण तथा तकनीकी के युग में ग्लोबल भाषा के रूप में अभी अंग्रेजी का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। ऐसे में सामाजिक विज्ञानों के अनुसंधान में हिन्दी के प्रयोग के सामने अपने स्वरूप को बनाए रखने की अपनी चुनौतियाँ हैं।

ज्ञान का उत्पादन तथा उसका व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए हिन्दी में मानक पारिभाषिक शब्दावली तैयार करना, मानक संदर्भ ग्रंथ लेखन की विधा तैयार करना, अनुवाद को दुरूहता से मुक्त करना, तकनीकी को हिन्दी के प्रयोक्ताओं के लिए सरल बनाना तथा हिन्दी भाषा में मानक शोध प्रक्रिया तैयार करना है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान

(अवसर,चुनौतियां एवं निवारण)

दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

दिनाँक-26-27 मई 2022

आयोजन समिति

संरक्षक

प्रोफ. विक्रम सिंह बघेल
प्राचार्य
शासकीय तुलसी अग्रणी
महाविद्यालय अनूपपुर

प्रोफ. योगेश कुमार त्यागी
प्राचार्य
देवनागरी स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर

डॉ. आर. के.सोनी
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय,
व्यंकटनगर,अनूपपुर

संयोजक

डॉ. अमित भूषण द्विवेदी
प्रो.पीयूष त्रिपाठी
डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा
प्रो.भवनीत सिंह बत्रा

सह-संयोजक

प्रीति वैश्य
शहबाज़ खान
ज्ञान प्रकाश पांडेय

सलाह,सहयोग एवं मार्गदर्शन

प्रो. मुकेश कुमार पांडेय
डॉ. मनमोहन लाल विश्वकर्मा
संदीप कुमार सिंह
राजेन्द्र पिवहरे

Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

शास. तुलसी महाविद्यालय एवं देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी के संयुक्ततत्वाधान में दो दिवसीय वेबिनार संपन्न

अनूपपुर (ब्यूरो)। शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर तथा देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के संयुक्ततत्वाधान में 'हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर किया गया।

वेबीनार को चार सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सेंटर फॉर रिसर्च एंड आर्काइव इन इंडिया एंड इंडीजेनस नॉलेज एंड लैंग्वेज सिस्टम एकेडमिक फेलो डॉ रमाशंकर सिंह ने 'हिंदी में समाज विज्ञान क्यों?' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा अगर विश्व को समझने का माध्यम है, तो इसमें मातृभाषा की प्राथमिक भूमिका है। उन्होंने कहा कि ज्ञान का संबंध भाषा से अधिक चिंतन परंपराओं से है। चिंतन किसी भी भाषा में हो सकता है। हिंदी के समक्ष अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि क्या ज्ञान की रचना हिंदी में संभव है? उन्होंने कहा वास्तव में किसी समाज की संरचना तथा उसके मर्म को उसकी भाषा में ही समझा जा सकता है, किसी दुभाषिये की मदद से नहीं।

उपनिवेशवाद ने एशियाई और अफ्रीकी समुदायों को सांस्कृतिक प्रभुत्व के द्वारा यह समझाया कि उनकी भाषा में समाज विज्ञान की रचना संभव नहीं है। उसने विजित क्षेत्रों की भाषाई पहचान का अवमूल्यन किया और ज्ञान पर एकाधिकार कर लिया। उन्होंने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक तथा मुक्ति के आंदोलन हिंदी भाषा में हुए हैं, चाहे वह किसान आंदोलन हो, पर्यावरण आंदोलन हो, सामाजिक न्याय के आंदोलन हों अथवा अन्य छोटे-छोटे मुक्ति आंदोलन हों, उनकी भाषा और उनके मुहावरे हिंदी में हो रहे हैं। हिंदी में समाज विज्ञान का सामाजिक मूल्य है तथा इसका सम्मानित भविष्य भी है।

दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए विश्व भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के इतिहास विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हितेंद्र पटेल ने 'हिंदी में समाज विज्ञान लेखन-समस्याएं एवं समाधान' विषय पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा की हिंदी में समाज विज्ञान लेखन के लिए शब्दों तथा मुहावरों का विस्तार करना होगा। इसके लिए हमें दूसरी भाषाओं से उदारता से शब्दों को ग्रहण करना होगा।

उन्होंने कहा कि शब्दों का प्रयोग तथा वाक्य की संरचना के लिए लगातार प्रयोग करने होंगे।

हिंदी तथा मातृभाषा में सोचना उस समाज के मर्म को जानने का बेहतर साधन होता है। उन्होंने कहा कि भाषा के स्तर पर एक नया युग शुरू हो रहा है।

आने वाले तीन चार दशकों के अंतर्गत अंग्रेजी का वर्चस्व रहेगा तथा भारतीय भाषाओं के प्रभाव में बढ़ोतरी दिखाई देगी।

वेबीनार के दूसरे दिन तीसरे सत्र में सतीश चंद्र कॉलेज बलिया के इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शुभनीत कौशिक ने 'उत्तर भारत के पुस्तकालय और अभिलेखागार' विषय पर व्याख्यान को संबोधित करते हुए इतिहास लेखन के लिए अभिलेखागारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की ब्रिटिश काल में स्थापित अभिलेखागार उस समय के इतिहास तथा समाज विज्ञान को जानने का प्रमुख साधन है।

उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित शोध के लिए विभिन्न संदर्भ ग्रंथों का परिचय दिया। उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार के विभिन्न अभिलेखागारों के बारे में विस्तार से वर्णन किया तथा उत्तर भारत के प्रमुख अभिलेखागारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इंटरनेट के माध्यम से बन रहे नए सन्दर्भ ग्रंथों का श्रोताओं से परिचय कराया।

चतुर्थ सत्र को संबोधित करते हुए अंबेडकर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के समाजशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अजय कुमार ने 'हिंदी में समाज विज्ञान लेखन-प्रकाशन एवं ज्ञान की निर्मिति' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी में समाज विज्ञान के क्षेत्र में स्वतंत्र लेखन से लेकर सतही लेखन एवं प्रकाशन किया जा रहा है।

पाठकों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती ज्ञान के स्रोत को पहचानने तथा उसे सतही लेखन से अलग करने की है।

उन्होंने हिंदी भाषा में प्रकाशन से संबंधित भारतीय तथा विदेशी प्रकाशकों तथा प्रकाशकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे साहित्य को हिंदी में अनुवाद करके उसके क्षेत्र का विस्तार करना चाहिए।

वेबिनार के प्रथम दिन सह अध्यक्षता कर रहे शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर के प्राचार्य प्रोफेसर विक्रम सिंह बघेल तथा देवनागरी महाविद्यालय गुलावठी बुलन्दशहर के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने वक्ताओं का स्वागत किया।

प्रथम दिन अवधारणात्मक टिप्पणी पीयूष त्रिपाठी ने दी। प्रथम सत्र का संचालन भवनीत सिंह बत्रा तथा दूसरे सत्र का संचालन डॉ मनमोहन लाल विश्वकर्मा ने किया तीसरे सत्र का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने तथा चौथे सत्र का संचालन संदीप कुमार सिंह ने किया। प्रथम दिवस का आभार ज्ञापन डॉ अमित भूषण द्विवेदी ने किया। वेबीनार का आभार ज्ञापन शासकीय महाविद्यालय वेंकटनगर के प्राचार्य प्रोफेसर आर.के. सोनी ने किया।

इस अवसर पर 100 से अधिक विद्यार्थी शोधकर्ता शिक्षाविद तथा समाज वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

नव भारत

दो दिवसीय राष्ट्रीय बेबीनार का आयोजन 26-27 को

अनूपपुर, नवभारत। हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के आतंरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ तथा देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी के संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस वेबिनार को हिंदी भाषा में मानविकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा में काम कर रहे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ सम्बोधित करेंगे। वेबिनार के प्रथम दिवस 26 मई को विश्वभारती विश्वविद्यालय कोलकाता के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हितेंद्र पटेल हिंदी में समाज विज्ञान लेखन समस्याएं एवं समाधान विषय पर, जी.बी. पंत संस्थान की असोसिएट प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिंह ज्ञान की राजनीति बनाम हिंदी समाज विज्ञान लेखन पर तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय के अकेडमिक फेलो डॉ. रमाशंकर सिंह हिंदी में समाज विज्ञान क्यों? विषय पर श्रोताओं को सम्बोधित करेंगे।

वेबिनार के दूसरे दिन 27 मई को सतीश चंद्र कॉलेज बलिया के डॉ. शुभनीत कौशिक उत्तर भारत के पुस्तकालय और अभिलेखागार तथा बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉ. अजय कुमार हिंदी में समाज विज्ञान लेखन प्रकाशन व ज्ञान की निर्मिति विषय पर अपना सम्बोधन देंगे। आयोजन समिति के संरक्षक तुलसी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विक्रम सिंह बघेल, देवनागरी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी तथा शासकीय महाविद्यालय वेंकटनगर, अनूपपुर के प्राचार्य डॉ. आर. के. सोनी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए हर्ष व्यक्त किया है तथा आयोजन समिति को शुभकामनायें प्रेषित की हैं। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित भूषण द्विवेदी, पीयूष त्रिपाठी, डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र तथा भवनीत सिंह बत्रा तथा सह सचिव प्रीति वैश्य, शाहबाज खान तथा ज्ञान प्रकाश पांडेय हैं। सलाहकार मंडल में मुकेश पांडेय, डॉ. मनमोहन लाल विश्वकर्मा, प्रो. विनोद कुमार कोल, संदीप कुमार सिंह तथा राजेंद्र शिवहरे शामिल हैं।

कलेक्टर ने किया निरीक्षण

अनूपपुर, नवभारत। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने जिला मुख्यालय अनूपपुर के तहसील कार्यालय स्थित लोकल चुनाव हेतु एफएलसी के चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर को अवगत कराया गया कि एफएलसी कार्य ईसीआईएल हैदराबाद के इंजीनियर के देखरेख में चल रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने सभी इंजीनियरों को निर्देशित किया कि वीवीपैट एवं ईवीएम मशीन एवं अन्य मतदान यंत्र सावधानी के साथ विधिवत जांच किया जाए, जिससे मतदान कार्य में किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न ना हो तथा चुनाव कार्य सफ्लतापूर्वक कराया जा सके। इस दौरान कलेक्टर ने वीवीपैट एवं ईवीएम मशीन के कार्यप्रणाली दक्षता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इंजीनियर्स ने कलेक्टर को अवगत कराया कि वीवीपैट एवं ईवीएम मशीन मतदान हेतु कैसे कार्य करते हैं। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सरोधन सिंह, नायब तहसीलदार दीपक तिवारी सहित अन्य मतदान से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

...सिएशन द्वारा बालाजी स्पोर्ट्स एकेडमी के 2 दर्जन से किया। और इस श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले इन भविष्य की कामना की है।

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं पर सेमिनार का किया आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा किया जा रहा है। इस वेबिनार को हिंदी भाषा में मानविकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा में काम कर रहे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ सम्बोधित करेंगे। वेबिनार के प्रथम दिवस 26 मई को विश्वभारती विश्वविद्यालय कोलकाता के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० हितेंद्र पटेल हिंदी में समाज विज्ञान लेखन : समस्याएं एवं समाधान विषय" पर, जी बी पंत संस्थान की असोसिएट प्रोफेसर डॉ अर्चना सिंह ज्ञान की राजनीति बनाम हिंदी समाज विज्ञान लेखन पर तथा डॉ बी आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय के अकेडमिक फेलो डॉ रमाशंकर सिंह हिंदी में समाज विज्ञान क्यों विषय पर श्रोताओं को सम्बोधित करेंगे।

वेबिनार के दूसरे दिन 27 मई को सतीश चंद्र कॉलेज बलिया के डॉ शुभनीत कौशिक उत्तर भारत के पुस्तकालय और अभिलेखागार तथा बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉ अजय कुमार हिंदी में समाज विज्ञान लेखन: प्रकाशन व ज्ञान की निर्मिति विषय पर अपना सम्बोधन देंगे। आयोजन समिति के संरक्षक तुलसी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० विक्रम सिंह बघेल, देवनागरी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० योगेश कुमार त्यागी तथा शासकीय महाविद्यालय व्यंकटनगर, अनूपपुर के प्राचार्य डॉ आर के सोनी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए हर्ष व्यक्त किया है तथा आयोजन समिति को शुभकामनायें प्रेषित की हैं। वेबिनार में प्रतिभाग करने के लिए पहले से पंजीकरण कराना आवश्यक है पंजीकरण की लिंक महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोजन समिति के सचिव डॉ अमित भूषण द्विवेदी, पीयूष त्रिपाठी, डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र तथा भवनीत सिंह बत्रा तथा सह सचिव प्रीति वैश्य, शाहबाज खान तथा ज्ञान प्रकाश पाण्डेय हैं। सलाहकार मण्डल में मुकेश पाण्डेय, डॉ मनमोहन लाल विश्वकर्मा, संदीप कुमार सिंह तथा राजेंद्र पिपरहे शामिल हैं।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Dist. Anuppur (M.P.)

संक्षिप्त समाचार

जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुन्देलाल सिंह आज अनूपपुर नगर पालिका में लेंगे बैठक

अनूपपुर. (नव स्वदेश)। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक पुष्पराजगढ़ फुन्देलाल सिंह मार्को नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर आज 4 जून को 12.30 बजे से नगर पालिका अनूपपुर के कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष, पार्षद, वरिष्ठ जन, प्रतिष्ठित अन्य नागरिकों से मुलाकात करेंगे। वहीं 5 जून को सायं 4.30 बजे साथ ही नगर पालिका परिषद पसान में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव की रणनीति तैयार करेंगे जिसमें संबंधित जनों से उपस्थिति का आग्रह किया गया है।

कांग्रेस ने बनाया कमल मराठी को नपा अनूपपुर का पर्यवेक्षक-संतोष अग्रवाल

अनूपपुर. (नव स्वदेश)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव संतोष अग्रवाल एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ पूर्व मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कमल मराठी को मध्यप्रदेश में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव हेतु नगर पालिका परिषद अनूपपुर जिला अनूपपुर का प्रभारी मनोनीत किया गया है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री प्रशासन राजीव सिंह ने नियुक्ति का पत्र जारी करते हुए कहा कि आपसे अपेक्षा है कि आप जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष से सम्पर्क कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित नगर पालिका परिषद चुनाव समिति के सदस्यों की बैठक कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार पार्षद प्रत्याशियों का चयन करें। यह समिति उस नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं से सम्पर्क कर आरक्षण अनुसार योग्य उम्मीदवारों का चयन स्थानीय कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान एवं उनकी निष्ठा को दृष्टिगत रखते हुये उनकी भूमिका सुनिश्चित करें। नगर पालिका परिषद चुनाव समिति प्रत्येक वार्ड के लिये एक-एक प्रत्याशी का ही सर्व सम्मति से चयन करें। सर्व सम्मत उम्मीदवारों की सूची चयन समिति के समस्त सदस्यों के हस्ताक्षर सहित अनुमोदन हेतु बंद लिफाफे में प्रदेश कांग्रेस को 8 जून 2022 तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करने का कष्ट करें।

आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

सतना. (नव स्वदेश)। आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत सतना शहर को स्वच्छ, सुंदर, कचरा मुक्त, स्वस्थ शहर बनाने एवं 4 आर. रिड्यूस, रियूज, रीसायकिल, रिफ्यूज की अवधारणा के साथ, होम्कम्पोस्टिंग, पर्यावरण संरक्षण, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता जागरूकता, नशा मुक्ति, भ्रष्टाचार मुक्त समाज, स्वच्छता द्वारा बेहतर शहरी स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के दृष्टिगत नगरीय निकाय सतना में नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम श्री धर्मेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में आयोजित हुआ जिसमें अनेक जागरूक लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया। सभी से सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान दिलाने में अपनी अपनी सहभागिता निभाने का अनुरोध किया गया तथा कचड़ा कार बाड़ी में गीला, सूखा, सेनेटरी तथा घरेलू हानिकारक अलग-अलग निर्धारित हरी डस्टबिन व नीली डस्टबिन में गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक कचड़ा कलेक्शन (आने वाली) गाड़ी को देने का अनुरोध किया गया। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी निर्वाचनों-चुनावों के स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी, सुगम, सहभागी, सुरक्षित होने का प्रयास सर्वजन द्वारा हो व साथ ही सभी उपस्थित मतदाताओं से निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार के प्रयोग का अनुरोध किया गया।

शास. तुलसी एवं देवनागरी महाविद्यालय गुलावटी के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय वेबिनार संपन्न

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर तथा देवनागरी महाविद्यालय, गुलावटी के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन गूगल प्लेटफार्म पर किया गया। वेबीनार को चार सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र में आमंत्रित विश्वविद्यालय दिल्ली के सेंटर फॉर रिसर्च एंड [illegible] इन इंडिया एंड इंटीग्रेटेड नॉलेज एंड मीडिया सिस्टम एकेडमिक [illegible] रघुवीर सिंह ने हिंदी में समाज विज्ञान विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा अगर विश्व को समझने का माध्यम है तो इसमें मातृभाषा की प्राथमिक भूमिका है। उन्होंने कहा कि ज्ञान का संबंध भाषा से अधिक चिंतन परंपराओं से है। चिंतन किसी भी भाषा में हो सकता है। हिंदी के समक्ष अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि क्या ज्ञान की रचना हिंदी में संभव है। उन्होंने कहा वास्तव में किसी समाज की संरचना तथा उसके मर्म को उसकी भाषा में ही समझा जा सकता है। किसी [illegible] दृष्टियों की शुरुआत हो रही। [illegible] ने [illegible] और [illegible] को [illegible] के द्वारा यह समझाया कि उनकी भाषा में समाज विज्ञान की रचना संभव नहीं है।

दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए मिथ भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के इतिहास विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हितेंद्र पटेल ने हिंदी में समाज विज्ञान लेखन समस्याएं एवं समाधान विषय पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा की हिंदी में समाज विज्ञान लेखन के लिए शब्दों तथा शब्दावली का विस्तार करना होगा। इसके लिए हमें दूसरी भाषाओं से उदारता से शब्दों को ग्रहण करना होगा। उन्होंने कहा कि शब्दों का प्रयोग तथा उनकी संरचना के लिए लगातार प्रयोग करने होंगे। हिंदी तथा मातृभाषा में लेखन उस समाज के मर्म को जानने का बेहतर माध्यम होता है। उन्होंने कहा कि भाषा के स्तर पर एक नया युग शुरू हो रहा है। आने वाले तीस सालों में [illegible] हिंदी [illegible]।

वेबीनार के दूसरे दिन तीसरे सत्र में [illegible] कॉलेज के इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर [illegible] ने [illegible]। चौथे सत्र को संबोधित करते हुए अंबेडकर [illegible] विश्वविद्यालय, लखनऊ के समाजशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार ने हिंदी में समाज विज्ञान लेखन, प्रकाशन एवं ज्ञान की निर्मिति विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी में समाज विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक लेखन से लेकर सस्ती लेखन एवं प्रकाशन किया जा रहा है।

पुष्पराजगढ़ के अनुभाग स्तरीय अधिकारियों ने मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन वर्ष 2022 को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार विकासखण्ड पुष्पराजगढ़ के मतदान केंद्र सरईटोला, गिरारीखुर्द, भमरा आदि स्थानों पर भ्रमण कर अनुविभागीय अधिकारी पुष्पराजगढ़ अभिषेक चौधरी, एसडीओपी सुश्री सोनाली गुप्ता, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेंद्र कुमार त्रिपाठी व [illegible] ने संयुक्त रूप से मतदान केंद्रों के मूलभूत सुविधाओं आदि का जायजा लिया गया।

नवनियुक्त शिक्षकों को दी जा रही आवासीय इंडक्शन कलेक्टर ने शिक्षकों को दायित्व निर्वहन हेतु किया प्रेरित

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

जनजातीय कार्य विभाग में नवनियुक्त उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षकों के 5 दिवसीय आवासीय इंडक्शन ट्रेनिंग (परिचयात्मक प्रशिक्षण) शासकीय कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर में जिला डिण्डौरी, श्योपुर, बैतूल, सीधी एवं अनूपपुर जिले के नवनियुक्त शिक्षकों को विभागीय योजनाओं तथा शिक्षा विभाग के कार्यों की जानकारी प्रशिक्षित राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दी जा रही है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विगत दिवस प्रशिक्षण केन्द्र में चल रहे प्रशिक्षण का जायजा लेते हुए प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण निष्ठा, लगन एवं ईमानदारी से शासकीय कर्तव्य के दायित्व का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम जैतहरी विजय डेहरिया, एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त पी.एन. चतुर्वेदी, एसडीओपी सुश्री कीर्ति बघेल, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य पी.एल. पट्टारी, नायब तहसीलदार दीपक तिवारी तथा मास्टर ट्रेनर्स अजय सिंह चौहान प्राचार्य कोतमा, डी.सी. मिश्रा प्राचार्य सिदुरीभर्री शहडोल व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

जिपं सदस्य अभ्यर्थिता हेतु आज 12 व जपं सदस्य हेतु 19 ने किए अब तक दाखिल नाम निर्देशन पत्र फार्म

अनूपपुर. (नव स्वदेश)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार अनूपपुर जिले में जिला पंचायत सदस्य पद हेतु आज निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 1 से 2 अभ्यर्थी, निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 2 से 3 अभ्यर्थी, निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 5 से 1 अभ्यर्थी, निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 7 से 1 अभ्यर्थी, निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 9 से 1 अभ्यर्थी, निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 10 से 1 अभ्यर्थी तथा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 11 से 3 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए। जिला पंचायत सदस्य अभ्यर्थिता हेतु आज 12 लोगों द्वारा विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नाम निर्देशन पत्र कलेक्ट्रेट स्थित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय से प्राप्त किए गए हैं। जिले के चारों जनपद पंचायतों के सदस्य निर्वाचन हेतु अब तक 19 लोगों ने अभ्यर्थिता हेतु नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए हैं। इसी तरह जिलेभर के ग्राम पंचायतों हेतु सरपंच अभ्यर्थिता के लिए अब तक 72 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए हैं। वहीं पंच पद के लिए अब तक जिलेभर में 106 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए हैं।

जिले के 6 नगरीय निकायों में होगा निर्वाचन 11 जून से भरे जाएंगे नाम निर्देशन फार्म

अनूपपुर. (नव स्वदेश)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) सुश्री सोनिया मीना ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के आम निर्वाचन 2022 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा की गई है। जिसके अनुसार जिले में मतदान दो चरणों में 6 जुलाई को नगर परिषद अमरकंटक में और 13 जुलाई को नगरपालिका परिषद अनूपपुर, नगरपालिका परिषद पसान, नगर परिषद बनगवां (राजनगर), नगर परिषद डोला तथा नगर परिषद डूमरकछार में होंगे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) सुश्री मीना ने बताया कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करना, स्थानों (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन दोनों चरणों के लिए 11 जून को प्रातः 10.30 बजे से होगा। नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 18 जून शनिवार प्रातः 10.30 से अपरान्ह 3 बजे तक है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा, सोमवार 20 जून 2022 सोमवार प्रातः 10.30 बजे से होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 22 जून 2022 बुधवार को प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन का कार्य 22 जून 2022 बुधवार को अभ्यर्थिता से नाम वापसी के ठीक बाद किया जाएगा। मतदान (यदि आवश्यक हो) प्रथम चरण के लिये 6 जुलाई 2022 बुधवार और द्वितीय चरण के लिए 13 जुलाई 2022 बुधवार को प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा प्रथम चरण के लिए 17 जुलाई 2022 रविवार को तथा द्वितीय चरण के लिए 18 जुलाई 2022 को प्रातः 9.00 बजे से होगी।

प्रधानमंत्री के 8 साल के कार्यकाल को लेकर महिला मोर्चा ने पसान मंडल में महिलाओं से किया संवाद

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 साल पूर्ण करने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रदेश भर में जहां विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है तो वहीं अनूपपुर जिले की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रश्मि खरे के मार्गदर्शन में पसान क्षेत्र के महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रितु सिंह और महामंत्री मीनू तिवारी के द्वारा 3 जून को वार्ड क्रमांक 12 एवं वार्ड क्रमांक 3 में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण कार्यक्रम का आयोजन करते हुए महिलाओं से संवाद किया गया और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा चलाई जा रही तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। वार्ड क्रमांक 3 में आयोजित कार्यक्रम में महिला मोर्चा मंडल पसान महामंत्री मीनू तिवारी, मंडल मंत्री मालती वर्मा, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक लाल, जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, युवा नेता शारदा प्रसाद द्विवेदी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता जिले के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक लाल, जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, मंडल महामंत्री मीनू तिवारी के द्वारा केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सशक्तिकरण की दिशा में तमाम योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार रूप से अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही जन धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, नागरिकता संशोधन कानून, गरीब कल्याण योजना, फ्री कोरोना वैक्सीन, अंत्योदय अन्न योजना तथा अन्य सभी महत्वपूर्ण योजनाएं प्रदेश और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं उनकी जानकारी प्रदान की गई। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रश्मि खरे के द्वारा नगर परिषद बरगवां के सोडा फैक्ट्री लेबर कॉलोनी में आयोजित किए गए कार्यक्रम को संबोधित किया गया और उपस्थित महिला जनसमूह को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतम 8 वर्ष पूर्ण होने और सरकार की तमाम योजनाओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर क्षेत्र की महिलाएं उपस्थित रहीं।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने वीसीके माध्यम से की कृषि आदान की समीक्षा

कलेक्टर ने स्ट्राबेरी, कोदो प्रसंस्करण आदि नवाचारों की दी जानकारी

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

एनआईसी केन्द्र में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विगत सोमवार को कृषि उत्पादन आयुक्त शैलेन्द्र सिंह ने रीवा तथा शहडोल संभाग के कृषि आदान की समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट अनूपपुर के एनआईसी केन्द्र में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं सर्व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वीडियो कान्फ्रेंस में कृषि उत्पादन आयुक्त शैलेन्द्र सिंह ने आगामी फसल के लिए खाद, बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करें। रीवा तथा शहडोल संभाग में किसान मुख्य रूप से धान और गेहूं की फसल पर केन्द्रित हैं। किसानों को बाजार की मांग के अनुसार अनाजों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें। सिंगरौली, अनूपपुर तथा रीवा जिले में कृषि विविधीकरण के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। अनूपपुर और सिंगरौली में कोदो तथा कुटकी की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके उत्पादक किसानों का पोर्टल में पंजीयन कराएं। पंजीकृत किसानों को कोदो तथा कुटकी की खेती के लिए मिलने वाला अनुदान उनके बैंक खाते में दिया जाएगा। दोनों संभागों में मक्का, औषधीय पौधों की खेती, आम तथा अन्य फल-सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा दें। कृषि के क्षेत्र में विकास होने से रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कई शिक्षित युवा भी सफलतापूर्वक खेती, पशुपालन एवं मछलीपालन कर रहे हैं।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि दोनों संभागों में आगामी फसल के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध है। गत वर्ष 30 जून तक समितियों तथा अन्य केंद्रों में खाद की जितनी बिक्री हुई थी उससे अधिक खाद अब तक जिलों में भंडारित की जा चुकी है। किसी भी स्थिति में खाद की आपूर्ति में कमी नहीं आएगी। किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर एनपीके तथा एसएसपी के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए सभी जिलों में लगातार अभियान चलाएं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि अमृत सरोवर में मछलीपालन अनिवार्य रूप से कराएं। इसके लिए अभी से पूरी कार्य योजना बना लें। मछली पालक तथा पशुपालक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड प्राथमिकता से जारी कराएं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि पशुपालन विभाग की विभागीय योजनाओं में सभी जिलों में अच्छा कार्य हुआ है। इस अवसर पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कृषि उत्पादन आयुक्त को जिले में किए गए नवाचार स्ट्राबेरी, कोदो प्रोसेसिंग एवं उसके उत्पाद, पारंपरिक धान की विलुप्त होती किस्मों का पुनर्जीवन, काला गेहूं एवं फसल विविधीकरण अंतर्गत लेमन ग्रास की खेती के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

नियुक्ति पंचायत चुनाव के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर ने

पुष्पराजगढ़ में नियुक्त किए सेक्टर मजिस्ट्रेट व ऑफीसर

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के सफल संचालन हेतु जनपद पंचायत क्षेत्र पुष्पराजगढ़ अंतर्गत मतदान केन्द्रों में शांतिपूर्ण मतदान कराए जाने हेतु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कर्तव्यों के पालन हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर ऑफीसर की नियुक्ति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) सुश्री सोनिया मीना द्वारा की गई है। सेक्टर पड़मनिया के 8 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा उपयंत्री अखिलेश कुमार जाटव को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर सिंदूरखुआ के 9 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा पशु चिकित्सा सहायक राजेन्द्रग्राम डॉ. प्रवीण मसराम को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर ओढ़गा के 9 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा वन परिक्षेत्राधिकारी ओढ़गा ए.के. निगम को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है।

सेक्टर सरई के 10 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ के क्रीड़ा अधिकारी दीपक सविता को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर करपा के 11 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक मिथुन सिसोदिया को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर नगुला के 11 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा जल संसाधन विभाग राजेन्द्रग्राम के उपयंत्री के.एल. सूर्यवंशी को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है।

सेक्टर लेढ़रा के 12 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा शा. महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ के सहा. प्राध्यापक डी.पी. सारथे को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर पटना के 13 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा शा. कन्या परिसर पुष्पराजगढ़ के प्राचार्य अरुणेंद्र शुक्ला को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर अमानपुर के 16 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ नीलेश सिंह धुर्वे को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा जिला शिक्षा केन्द्र के सहायक परियोजना समन्वयक हेमन्त मिश्रा को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर करौंदी के 7 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा म.प्र. पुष्पराजगढ़ के उपयंत्री अमन डहेरिया को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर अमरकंटक के 11 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा जल संसाधन पुष्पराजगढ़ के सहायक यंत्री कमलानंद को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर पोंड़की के 10 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पुष्पराजगढ़ भीम सिंह मरावी को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर भेजरी के 12 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा मण्डल संयोजक पुष्पराजगढ़ सतीष तिवारी को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर बम्हनी के 13 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा लो. स्वा. या. पुष्पराजगढ़ की उपयंत्री कु. नीलिमा सिंह को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है।

सेक्टर खाटी के 11 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ श्रीमती भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा लोनिवि पुष्पराजगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी पंकज पहारी को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर बिलासपुर के 17 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा जनपद शिक्षा केन्द्र पुष्पराजगढ़ के समन्वयक हरप्रसाद तिवारी को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर कोहका/कोयलारी के 13 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा [illegible] पुष्पराजगढ़ के प्राचार्य धीरज सिंह मरावी को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर दमेहड़ी के 13 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा अनुविभागीय अधिकारी (कृषि) राजेन्द्रग्राम एस.के. शर्मा को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर गिरारी/खार के 12 मतदान केन्द्रों हेतु नायब तहसीलदार पुष्पराजगढ़ भावना डहेरिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा जल संसाधन राजेन्द्रग्राम के उपयंत्री सुरेश शर्मा को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है। सेक्टर करपा/टोला के 12 मतदान केन्द्रों हेतु तहसीलदार पुष्पराजगढ़ टी.आर. नाग को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा अनुविभागीय अधिकारी पीएमजीएसवाई पुष्पराजगढ़ महेश चंद दुबे को सेक्टर ऑफीसर बनाया गया है।

नेहरू युवा केंद्र के कार्यकर्ताओं ने निकाली साइकिल रैली डॉक्टर बोले साइकिलिंग से मजबूत होती है मांसपेशियां

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

जिले में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में नेहरू युवा केंद्र अनूपपुर ने अमरकंटक तिराहे से हरी फाटक तक साइकिल रैली निकाली गई। यह रैली विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर युवाओं ने निकाली। साइकिल को चलाना है, प्रदूषण को भगाना है। देश को बचाना है तो साइकिल को अपनाना है। युवा रैली के दौरान ये नारे लगाते चले। नेहरू युवा केंद्र के कार्यकर्ता ने बताया कि साइकिल चलाने से शरीर स्वास्थ्य रहता है।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बाद से लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ी है। विभिन्न व्यायाम के जरिए लोग खुद को फिट रखने पर जोर दे रहे हैं। अब साईकिलिंग पर भी लोग ज्यादा जोर दे रहे हैं। इससे न केवल सेहत अच्छी होती है बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है। यूनाइटेड नेशन्स जनरल असेंबली ने हर साल तीन जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। आज ही के दिन साल 2018 में अंतरराष्ट्रीय साइकिल दिवस घोषित किया गया था। जिला चिकित्सालय के सीएमएचओ डॉक्टर एस.सी. राय ने बताया कि साइकिल चलाने से कैलोरी बर्न होता है। जो हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसके साथ ही साइकिल चलाने से शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियां मजबूत होती है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
एवं
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि "डॉ. रमाशंकर सिंह" ,एकेडेमिक फ़ेलो,सेंटर फॉर रिसर्च एंड आर्काइविंग इन इंडिया एंड इंडीजेनस नॉलेज एंड लैंगुएज सिस्टम, डॉ. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, ने संस्थानद्वय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 26-27 मई 2022 को आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'हिंदी में समाज विज्ञान अनुसंधान: अवसर,चुनौतियां एवं संभावनाएं' में "हिंदी में समाज विज्ञान क्यों?" शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

डॉ. योगेश कुमार त्यागी
प्राचार्य
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

डॉ. विक्रम सिंह बघेल
प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय,
अनूपपुर (म.प्र.)

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
एवं
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि "डॉ.हितेन्द्र कुमार पटेल" इतिहास विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, ने संस्थानद्वय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 26-27 मई 2022 को आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'हिंदी में समाज विज्ञान अनुसंधान: अवसर,चुनौतियां एवं संभावनाएं' में "हिंदी में समाज विज्ञान लेखन : समस्याएं और समाधान" शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

डॉ. योगेश कुमार त्यागी
प्राचार्य
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

डॉ. विक्रम सिंह बघेल
प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय,
अनूपपुर (म.प्र.)

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
एवं
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि "डॉ.अजय कुमार" समाजशास्त्र विभाग, अम्बेडकर स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने संस्थानद्वय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 26-27 मई 2022 को आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'हिंदी में समाज विज्ञान अनुसंधान: अवसर,चुनौतियां एवं संभावनाएं' में "हिंदी में समाज विज्ञान लेखन, प्रकाशन एवं ज्ञान की निर्मिति" शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

डॉ. योगेश कुमार त्यागी
प्राचार्य
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

डॉ. विक्रम सिंह बघेल
प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय,
अनूपपुर (म.प्र.)

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)
एवं
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि "डॉ. शुभनीत कौशिक" इतिहास विभाग, सतीश चंद्र कॉलेज (बलिया), ने संस्थानद्वय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 26-27 मई 2022 को आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'हिंदी में समाज विज्ञान अनुसंधान: अवसर,चुनौतियां एवं संभावनाएं' में "उत्तर भारत के पुस्तकालय और अभिलेखागार" शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

डॉ. योगेश कुमार त्यागी
प्राचार्य
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

डॉ. विक्रम सिंह बघेल
प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय,
अनूपपुर (म.प्र.)

2:32

Sangeeta Mada...
2:32 PM

वीडियो लिंक-
https://youtu.be/Yp8sRVDCX5I
https://youtu.be/3VQged4K2wo
https://youtu.be/eo4h7pnWe_k

●कोर ग्रुप(सामाजिक अनुसंधान)-
https://chat.whatsapp.com/Ccguc30cyowGDcFIPAiKy9

●प्रतिभागी ग्रुप(वेबिनार सामाजिक अनुसंधान)-
https://chat.whatsapp.com/FHeo8ebK111JBI79UyRilt

●प्रतिभागी टेलीग्राम लिंक(वेबिनार सामाजिक अनुसंधान)-
https://t.me/+h9d[illegible]woyZjNI

Webinar

वेबिनार-सामाजिक अनुसंधान

Group created by AP Amit Bhushan Sir

155 participants

AP Amit Bhushan Sir | AP Kamlesh Chawlae Sir | AP Preeti Mam Economics | Gf Suraj Sir | M.Com 1 Year

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

CANCEL JOIN GROUP

शास. तुलसी महाविद्यालय एवं देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी के संयुक्ततत्वाधान में दो दिवसीय वेबिनार संपन्न

अनूपपुर (ब्यूरो) शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर, तथा देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के संयुक्ततत्वाधन में 'हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अवसर, चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर किया गया।

वेबीनार को चार सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सेंटर फॉर रिसर्च एंड आर्काइव इन इंडियन एंड इंडीजेनस नॉलेज एंड लैंग्वेज सिस्टम एकेडमिक फेलो डॉ रमाशंकर सिंह ने 'हिंदी में समाज विज्ञान क्यों?' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा अगर विश्व को समझने का माध्यम है, तो इसमें मातृभाषा की प्राथमिक भूमिका है। उन्होंने कहा कि ज्ञान का संचय भाषा में अधिक चिंतन परंपराओं से है। चिंतन किसी भी भाषा में हो सकता है। हिंदी के समक्ष अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि क्या ज्ञान की रचना हिंदी में संभव है? उन्होंने कहा वास्तव में किसी समाज की संरचना तथा उसके मर्म को उसकी भाषा में ही समझा जा सकता है, किसी दुभाषिये की मदद से नहीं।

उपनिवेशवाद ने एशियाई और अफ्रीकी समुदायों को सांस्कृतिक प्रभुत्व के द्वारा यह समझाया कि उनकी भाषा में समाज विज्ञान की रचना संभव नहीं है।उसने विजित क्षेत्रों की भाषाई पहचान का अवमूल्यन किया और ज्ञान पर एकाधिकार कर लिया। उन्होंने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक तथा मुक्ति के आंदोलन हिंदी भाषा में हुए है, चाहे वह किसान आंदोलन हो, पर्यावरण आंदोलन हो, सामाजिक न्याय के आंदोलन हों अथवा अन्य छोटे-छोटे मुक्ति आंदोलन हों, उनकी भाषा और उनके मुहावरे हिंदी में ला रहे हैं। हिंदी में समाज विज्ञान का सामाजिक मूल्य है तथा इसका सम्मानित भविष्य भी है।

दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए विश्व भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के इतिहास विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हितेंद्र पटेल ने 'हिंदी में समाज विज्ञान लेखन- समस्याएं एवं समाधान' विषय पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा की हिंदी में समाज विज्ञान लेखन के लिए शब्दों तथा मुहावरों का विस्तार करना होगा। इसके लिए हमें दूसरी भाषाओं से उदारता से शब्दों को ग्रहण करना होगा।

उन्होंने कहा कि शब्दों का प्रयोग तथा वाक्य की संरचना के लिए लगातार प्रयोग करने होंगे।

हिंदी तथा मातृभाषा में सोचना उस समाज के मर्म को जानने का बेहतर साधन होता है। उन्होंने कहा कि भाषा के स्तर पर एक नया युग शुरू हो रहा है।

आने वाले तीन चार दशकों के अंतर्गत अंग्रेजी का वर्चस्व टूटेगा तथा क्षेत्रीय भाषाओं के प्रभाव में बढ़ोतरी दिखाई देगी।

वेबीनार के दूसरे दिन तीसरे सत्र में सतीश चंद्र कॉलेज बलिया के इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शुभनीत कौशिक ने 'उत्तर भारत के पुस्तकालय और अभिलेखागार' विषय पर व्याख्यान को संबोधित करते हुए इतिहास लेखन के लिए अभिलेखागारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की ब्रिटिश काल में स्थापित अभिलेखागार उस समय के इतिहास तथा समाज विज्ञान को जानने का प्रमुख साधन है।

उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित शोध के लिए विभिन्न संदर्भ ग्रंथों का परिचय दिया। उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार के विभिन्न अभिलेखागारों के बारे में विस्तार से वर्णन किया तथा उत्तर भारत के प्रमुख अभिलेखागारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इंटरनेट के माध्यम से बन रहे नए सन्दर्भ ग्रंथों का श्रोताओं से परिचय कराया।

चतुर्थ सत्र को संबोधित करते हुए अंबेडकर स्कूल आफ सोशल साइंसेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के समाजशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार ने 'हिंदी में समाज विज्ञान लेखन- प्रकाशन एवं ज्ञान की निर्मिति' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी में समाज विज्ञान के क्षेत्र में स्तरीय लेखन से लेकर सतही लेखन एवं प्रकाशन किया जा रहा है।

पाठकों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती ज्ञान के स्रोत को पहचानने तथा उसे सतही लेखन से अलग करने की है।

उन्होंने हिंदी भाषा में प्रकाशन से संबंधित भारतीय तथा विदेशी प्रकाशकों तथा प्रकाशकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे साहित्य को हिंदी में अनुवाद करके उसके क्षेत्र का विस्तार करना चाहिए।

वेबिनार के प्रथम दिन सह अध्यक्षता कर रहे शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर के प्राचार्य प्रोफेसर विक्रम सिंह बघेल तथा देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी बुलंदशहर के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने वक्ताओं का स्वागत किया।

प्रथम दिन अवधारणात्मक टिप्पणी पीयूष त्रिपाठी ने दी , प्रथम सत्र का संचालन भवनीत सिंह बत्रा तथा दूसरे सत्र का संचालन डॉ. मनमोहन लाल विश्वकर्मा ने किया तीसरे सत्र का संचालन डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने तथा चौथे सत्र का संचालन संदीप कुमार सिंह ने किया। प्रथम दिवस का आभार ज्ञापन डॉ. अमित भूषण द्विवेदी ने किया। वेबीनार का आभार ज्ञापन शासकीय महाविद्यालय वेंकटनगर के प्राचार्य प्रोफेसर आर.के. सोनी ने किया।

इस अवसर पर 100 से अधिक विद्यार्थी शोधकर्ता शिक्षाविद तथा समाज वैज्ञानिक उपस्थित रहे।